न्यूज डायरी

सूडान की नई तस्वीरः महिलाओं के खतने पर प्रतिबंध का कानून आया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन/पेइचिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने चीन के दादागीरी के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज कर दिया है। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर पर चीन के लगभग सभी महत्व्वपूर्ण दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है, जब दोनों देशों की सेनाएं साउथ चाइना सी में युद्धाभ्यास कर रही हैं और तनाव काफी बढ़ा हुआ है। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस बयान के बाद चीन भड़क उठा है। माना जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने यह फैसला साउथ चाइना सी में पड़ोसी देशों के प्रति चीन की बढ़ती आक्रामकता पर लगाम लगाने और अंतरराष्ट्रीय कानून को मान्यता देने के लिए उठाया है। अमेरिकी प्रशासन के इस कदम के बाद दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण चल रहे संबंधों के और ज्यादा खराब होने की आशंका बढ़ गई है।

हिंदू विरोधी टिप्पणियों पर खैबर पख्तूनवा असेम्बली में प्रस्ताव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा में सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के एक हिंदू निर्वाचित प्रतिनिधि ने इस्लामाबाद में पहले मंदिर के निर्माण के मुद्दे पर सोशल मीडिया में हिंदू देवी–देवताओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए प्रांतीय असेम्बली सचिवालय को सोमवार को एक प्रस्ताव सौंपा। एमपीए रवि कुमार द्वारा सौपें गये इस प्रस्ताव में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से हिंदू देवी–देवाताओं के खिलाफ अपमानजनक बातें कहीं जा रही हैं जो 'निंदनीय और अक्षम्य कृत्य' है। इस प्रस्ताव पर अल्पसंख्यक निर्वाचित प्रतिनिधियों–– सरदार रणजीत सिंह, विल्सन वजीर, वजीरजादा और पाकिस्तन पीपुल्स पार्टी के नेता नाइट यास्मीन औरकजई के दस्तखत हैं। उसमें कहा गया है, '' हिंदू धर्म के विरूद्ध इस नकारात्मक दुष्प्रचार ने न केवल पाकिस्तान में बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं की भावनाओं को चोट पहुंचायी है।''

सूडान के दारफुर में सशस्त्र समूहों ने प्रदर्शन शिविर पर किया हमला, 13 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काहिरा। सूडान में सशस्त्र समूहों ने सोमवार को दारफुर में विरोध प्रदर्शन शिविर पर हमला बोल दिया,जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। दारफुर क्षेत्र में विस्थापित शिविर चलाने में मदद देने वाले एक स्थानीय संगठन ने कहा कि उत्तरी दारफुर प्रांत में दोनों प्रदर्शन स्थल के लोग बेहतर सुरक्षा स्थिति बहाल करने और सरकार समर्थित सशस्त्र समूहों द्वारा हमले खत्म करने की मांग कर रहे हैं। सूडान में 2019 में तख्तापलट के बाद आई सरकार देश के दारफुर समेत विभिन्न क्षेत्रो में दशकों से चल रहे विद्रोह को खत्म करने के लिए संघर्ष कर रही है। यहां ज्यादातर लोग विस्थापित हैं और शरणार्थी शिविरों में रहते हैं। लंबे समय तक यहां नेता रहे उमर अल–बशीर को 2019 में व्यापक विद्रोह के बाद गद्दी से हटना पड़ा था। वह जनसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों के अंतरराष्ट्रीय आरोपों का सामना कर रहे हैं।

न्यू ऑर्लेअंस गोलीबारी की घटना में 10 साल के बच्चे की मौत, दो किशोर घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यू ऑर्लेअंस। न्यू ऑर्लेअंस में सोमवार को हुई गोलीबारी में 10 साल के एक बच्चे की मौत हो गई और दो किशोर घायल हो गए।पुलिस प्रमुख शॉन फर्गुसन ने बताया कि शाम करीब पांच बजे हुई गोलीबारी के खिलाफ पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की।फर्गुसन ने बताया कि करीब 15–16 साल की एक लड़की और 13 साल का एक लड़का गोलीबारी में घायल हुए हैं। वहीं 10 साल के एक बच्चे की जान चली गई।उन्होंने बताया कि गोलीबारी के पीछे के कारण का कुछ पता नहीं चल पाया है और ना ही किसी संदिग्ध की अभी तक पहचान हो पाई है।फर्गुसन ने बताया कि पीड़ित न्यू ऑर्लेअंस के सांतवें वार्ड में एक सड़क पर खड़े थे, जब कुछ लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं।उन्होंने चश्मदीदों से सामने आकर घटना के संबंध में जानकारी देने की अपील भी की।

चीन से डील के बाद ईरान ने भारत को दिया झटका

भारत को अपनी चाबहार रेल परियोजना से कर दिया है बाहर

झटका

■ 4 साल बीत जाने के बाद भी भारत फंड नहीं दे रहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान–चीन के बीच होने जा रही 400 अरब डॉलर की महाडील से ठीक पहले ही भारत पर इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं। ईरान ने भारत को चाबहार रेल परियोजना से बाहर कर दिया है। ईरान ने कहा है कि समझौते के 4 साल बीत जाने के बाद भी भारत इस परियोजना के लिए फंड नहीं दे रहा है, इसलिए वह अब खुद ही चाबहार रेल परियोजना को पूरा करेगा। ईरान के इस ऐलान से भारत को बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है।

यह रेल परियोजना चाबहार पोर्ट से जहेदान के बीच बनाई जानी है। पिछले सप्ताह ईरान के ट्रांसपोर्ट और शहरी विकास मंत्री मोहम्मद इस्लामी ने 628 किमी लंबे रेलवे ट्रैक को बनाने का उद्घाटन किया था। इस रेलवे लाइन को अफगानिस्तान के जरांज सीमा तक बढ़ाया जाना है। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरी परियोजना को मार्च 2022 तक पूरा किया जाना है।

बिना भारत की मदद के ही इस परियोजना पर आगे बढ़ेंगे: ईरान के रेलवे ने कहा है कि वह बिना भारत की मदद के ही इस परियोजना पर आगे बढ़ेगा। इसके लिए वह ईरान के नैशनल डिवेलपमेंट फंड 40 करोड़ डॉलर की धनराशि का इस्तेमाल करेगा। इससे पहले भारत की सरकारी रेलवे कंपनी इरकान इस परियोजना को पूरा करने वाली थी। यह परियोजना भारत के अफगानिस्तान और अन्य मध्य एशियाई देशों तक एक वैकल्पिक मार्ग मुहैया कराने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए बनाई जानी थी। इसके लिए ईरान, भारत और अफगानिस्तान के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ था।

वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईरान यात्रा के दौरान चाबहार समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था। पूरी परियोजना पर करीब 1.6 अरब डॉलर का निवेश होना था। इस परियोजना को पूरा करने के लिए इरकान के इंजिनियर ईरान गए भी थे लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से भारत ने रेल परियोजना पर काम को शुरू नहीं किया। अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह के लिए छूट दे रखी है लेकिन उपकरणों के सप्लायर नहीं मिल रहे हैं। भारत पहले ही ईरान से तेल का आयात बहुत कम कर चुका है।

पेइचिंग ईरान में 400 अरब डह्लर का निवेश करने जा रहा

बता दें कि पश्चिम एशिया में अमेरिका के साथ चल रही तनातनी के बीच ईरान और चीन जल्द ही एक महाडील पर समझौता कर सकते हैं। इसके तहत चीन ईरान से बेहद सस्ती दरों पर तेल खरीदेगा, वहीं इसके बदले में पेइचिंग ईरान में 400 अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है। यही नहीं ड्रैगन ईरान की सुरक्षा और घातक आधुनिक हथियार देने में भी मदद करेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान और चीन के बीच 25 साल के रणनीतिक समझौते पर बातचीत पूरी हो गई है।

भारत के हस्तक्षेप की वजह से नेपाल में आ रही बाढ़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। सीमा विवाद के बीच भारत की ओर से बाढ़ रोकने में सहायक बांधों के मरम्मत कार्य को रोकने वाले नेपाल ने अब उल्ट्टा भारत को ही अपने देश में बाढ़ के लिए जिम्मेदार ठहराया है। नेपाल के गृहमंत्री राम बहादुर थापा ने संसदीय कमिटी की बैठक में कहा कि भारत के हस्तक्षेप की वजह से देश के दक्षिण हिस्से में प्राकृतिक आपदा आई हुई है।

थापा ने कहा कि भारत ने सीमा से सटकर कई ढांचों का निर्माण किया है। इसकी वजह से नेपाल को लंबे समय से मॉनसून के दौरान संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, सड़कों और अन्य ढांचों के एकतरफा निर्माण ने बांधों के जरिए नदियों के पानी को रोके जाने से समस्या दोगुनी हो गई है। इससे नेपाल के दक्षिणी इलाके में लगातार सैलाब आ रहा है।

नेपाली गृहमंत्री ने कहा, मॉनसून के दौरान बाढ़ की समस्या ज्यादा है क्योंकि हम विदेशी हस्तक्षेप के मुद्दे का समाधान नहीं कर सके हैं। राजनीतिक नजरिए से कहें तो इसे हस्तक्षेप करार दिया जा सकता है क्योंकि उन्होंने (भारत) अपने हित के लिए कई एकतरफा कदम उठाए हैं और हमारे हितों को अनदेखा कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के समाधान के लिए पहले कई समझौते हुए हैं लेकिन अब तक उनका क्रियान्वयन नहीं हो सका है।

सैन डियागो में 43 घंटे से जल रहा युद्धपोत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका के नेवल बेस सैन डियागो पर खड़े अमेरिकी युद्धपोत में लगी आग को अबतक बुझाया नहीं जा सका है। सैकड़ों फायर फाइटर्स, हेलिकॉप्टर्स और नेवल शिप इस युद्धपोत में लगी आग को बुझाने के काम में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि पिछले 43 घंटों से लगातार जल रही आग के कारण इस युद्धपोत का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है। आशंका जताई जा रही है अगर आग इसके फ्यूल टैंक तक पहुंच जाती है तो बड़ा धमाका हो सकता है। अमेरिका नौसेना ने बताया कि शुरुआत में 17 नौसैनिकों और चार आम नागरिकों के झुलसने की सूचना थी, लेकिन सोमवार तड़के आग से घायल होने की संख्या 57 हो गई।

गलवान में मारे गए सैनिकों के शव को दफनाने नहीं दे रहा है चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक खुफिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन ने अपनी गलतियों को छिपाने के लिए गलवान घाटी में मारे गए अपने सैनिकों के शीर्ष बलिदान को स्वीकार करने से बच रहा है। यही नहीं चीन गलवान घाटी में मारे गए अपने सैनिकों के परिवार वालों पर भी दबाव डाल रहा है कि वे शवों को दफनाएं नहीं और कोई कार्यक्रम भी आयोजित नहीं करें।

गत 15 जून की रात को चीन और भारत के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। वहीं चीन के भी 43 जवानों के

शर्मनाकः चीन ने गलवान संघर्ष में मारे गए अपने सैनिकों की घोषणा तक नहीं की

हताहत होने की खबर है। भारत में जहां शहीद जवानों के शव का हीरो की तरह से स्वागत किया गया, वहीं चीन ने अपने मारे गए सैनिकों की घोषणा तक नहीं की।

परिवार वालों के साथ चीन सरकार ने बुरा बर्ताव कियाः अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक गलवान घाटी में मारे गए चीनी सैनिकों के परिवार वालों के साथ भी चीन सरकार ने बुरा बर्ताव किया है। चीन अब इन सैनिकों के शव को दफनाने भी नहीं दे रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन इस वजह से अपने सैनिकों के मारे जाने को स्वीकार नहीं कर रहा है क्योंकि वह अपनी इस बड़ी गलती को छिपाना चाहता है।

दरअसल, चीन ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए लद्दाख में भारतीय इलाके में घुसपैठ की कोशिश की और वास्तविक नियंत्रण रेखा को बदलने का प्रयास किया। भारत ने कहा कि अगर चीन के शीर्ष नेताओं स्तर पर एक समझौता हो गया तो इस झड़प से बचा जा सकता था। चीन ने अब तक केवल यह माना है कि उसके कुछ अधिकारी मारे गए हैं। अमेरिकी खुफिया सूत्रों का मानना है कि 35 चीनी सैनिक इस कार्रवाई में मारे गए थे।

उत्तर–पश्चिम यमन में हवाई हमले में सात बच्चों, दो महिला की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काहिरा। उत्तर–पश्चिम यमन में हुए हवाई हमले में सात बच्चों और दो महिलाओं की जान चली गई। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। हुती विद्रोहियों ने अपने विरोधी एवं सऊदी नेतृत्व वाले संगठन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। उत्तर–पश्चिम यमन में रविवार को हुए इस हमले में आम नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसमें महिलाओं और दो साल तक के बच्चे मारे गए। यमन में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय ने कहा कि मौके से मिली रिपोर्ट के अनुसार हज्जाह प्रांत में नौ लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है और दो बच्चे तथा दो महिलाएं घायल भी हो गए। यमन में 'सेव द चिल्ड्रन' के निदेशक जेवियर जोबर्ट ने कहा, ''मृत बच्चों को मलबे में से निकाले जाने की खबर सुनना बेहद भयावह है।'' वहीं सऊदी नेतृत्व वाले संगठन ने कहा कि वह हुती नेताओं को निशाना बनाकर किए गए हमले में आम नागरिकों के मारे जाने की जांच करेगा।